Total Pages : 4

AC-232550

M.A. (Semester-I)
Examination, Dec.-Jan. (2025-26)

HINDI

(संतकवि कबीरदास)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70

निर्देश : प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभक्त है। सभी चार खण्डों के प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। अंकों का विभाजन प्रत्येक खण्ड में दिया गया है।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

निर्देश : सभी दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। [10×1=10]

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

   (i) कबीर साहब के प्रमुख शिष्य का नाम.....था।

Scanned with OKEN Scanner

(ii) कबीर पंथ में कबीर का जन्म संवत.....की तिथि सर्वमान्य है।

(iii) कबीर में.....के बीज जन्मजात थे।

(iv) कबीर के ऊपर.....का पैर पड़ा था।

(v) कबीर पंथ में कबीर की आयु.....वर्ष स्वीकार की गयी है।

(vi) कबीर के व्यक्तित्व में एक प्रकार की.....दिखाई पड़ती है।

(vii) शुक्ल जी ने कबीर की भाषा को.....संज्ञा दी है।

(viii) कबीर के लिए कविता साध्य न होकर.....थी।

(ix) कबीर.....पढ़कर पंडित बने थे।

(x) लड़ो मत की आकाशवाणी.....में हुई थी।

खण्ड-ब

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **02** अंकों का है।
(शब्द सीमा 25-30 शब्द) [5×2=10]

2. (i) कबीर के दार्शनिक सिद्धान्त बताइए।

(ii) कबीर वाणी में मुख्य काव्य रूप बताइए।

(iii) वैष्णवों के प्रेम प्रधान भक्ति तत्व ने कबीर को कितना प्रभावित किया है?

(iv) कबीर के भक्ति भेद बताइए।

(v) बौद्धों के महायान का प्रभाव कबीर पर कितना पड़ा?

(vi) कबीर की प्रतीक योजना क्या है?

(vi) कवि कबीर संत क्यों कहे जाते हैं?

खण्ड-स

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **04** अंकों का है।
(शब्द सीमा 250 शब्द) [5×4=20]

3. (i) साखी क्या है? कबीर की साखियों की विशेषता बताइए।

(ii) कबीर अपने काव्य में किस विरह की बात करते हैं?

(iii) निधा कौ अंग क्या है?

(iv) सूरा तन कौ अंग के माध्यम से संत कबीर क्या कहना चाहते हैं?

(v) आत्मा को नारी और परमात्मा को पति के रूप में चित्रण किस अंग में किया गया है?

(vi) कबीर का महत्त्व और हिन्दी साहित्य में स्थान निर्धारित कीजिए।

(vii) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

झूठे सुख कौ सुख कहैं, मानत है मन मोद।

Scanned with OKEN Scanner

खलक चवीणाँ काल का, कुछ मुख मैं कुछ गोद।
जब जग सूता नींद भरी, सुत न आवै नींद।
काल खड़ा सिर उपरै, ज्यूँ तोरणि आया नींद।।

खण्ड–द

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंकों का है।
(शब्द सीमा 500 शब्द) [3×10=30]

4. (i) "कबीर मूलतः भक्त थे, बाद में कवि व समाज–सुधारक" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

(ii) कबीर की दार्शनिक विचारधारा का सम्यक विवेचन कीजिए।

(iii) निर्गुण–भक्ति काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं को बताइए।

(iv) कबीर के काव्य में रहस्यवाद की विवेचना कीजिए।

(v) कबीर की भाषा सधुक्कड़ी अथवा खिचड़ी है। इस मत का प्रतिपादन कीजिए।

----x----

Scanned with OKEN Scanner